ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-5* Issue-11* February-2021
Anthology : The Research

इन्टरनेट और शिक्षा– प्रभाव एवं महत्व
Internet and Education: Impact and Importance

Paper Submission: 03/02/2021, Date of Acceptance: 18/02/2021, Date of Publication: 25/02/2021

शोभना श्रीवास्तव
व्याख्याता,
शिक्षा विभाग,
मेवाड शि.प्रशि.महाविद्यालय,
उदयपुर., राजस्थान, भारत

सारांश

वर्तमान युग वैज्ञानिक युग है और जीवन के हर क्षेत्र में तकनीकी का प्रभाव नजर आता है। आज इन्टरनेट के बिना कुछ भी करना असंभव सा लगता है। इन्टरनेट के माध्यम से विद्यार्थी कही भी किसी भी समय अपनी सुविधा अनुसार पढाई कर सकते हैं , अपनी रूचि का विषय ऑनलाइन पढ़ सकते हैं , अपनी शंकाओं का समाधान कर सकते हैं साथ ही ऑनलाइन किसी भी विषय के जानकारों से शिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थी अपनी योग्यता अनुसार निश्चित लक्ष्य को पाने के लिए अग्रसित होते हैं। वर्तमान में नौकरी के साथ–साथ ऑनलाइन पढाई कर अपनी योग्यता व दक्षता को बढ़ा सकते हैं।

The current era is the scientific era and the influence of technology is visible in every sphere of life. Today it seems impossible to do anything without internet. Through internet, students can study anywhere at any time as per their convenience, can read the subject of their interest online, can solve their doubts and can also get education from experts of any subject online. Students progress to achieve the specific goal according to their ability. Presently, you can increase your qualification and efficiency by studying online along with the job.

मुख्य शब्द : इंटरनेट, प्रभाव, महत्त्व (Internet, Infuance, Importance)

प्रस्तावना

आज का युग वैज्ञानिक युग है। जीवन के हर क्षेत्र में तकनीकी एवं विज्ञान का प्रभाव परिलक्षित होता हैं। विज्ञान के बिना आज एक कदम भी चल पाना असंभव सा प्रतीत होता हैं। यदि प्रगति पथ की ओर निरंतर अग्रसर होकर दुनिया के साथ चलना हैं तो स्वयं को जागरूक रखना होगा। ऐसा ही प्रभाव हम शिक्षा के क्षेत्र में देख सकते हैं। भूमंडलीकरण से विश्व एकाकार हो गया है और इसमें अत्यधिक मदद की है इन्टरनेट ने।

शिक्षा के क्षेत्र में इसके प्रभाव को निम्न बिन्दुओं द्वारा समझ सकते है–

1. सुविधानुसार शिक्षण–शिक्षा के क्षेत्र में ऑनलाइन शिक्षा ने नए आयाम प्रस्तुत किये है। आज विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार कहीं भी किसी भी समय इच्छित विषय के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकता है।
2. दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा संभव–ऑनलाइन शिक्षा हम किसी भी क्षेत्र में प्राप्त कर सकते हैं। हमें किसी भी विषय की जानकारी विशेषज्ञों द्वारा चाहे वे देश–विदेश में कही भी हो तुरंत मिल जाती हैं।
3. इच्छित विषय की जानकारी–हम अपनी रूचि का विषय ऑनलाइन पढ़ सकते हैं। यह ऑनलाइन शिक्षा का सर्वोत्तम पहलू हैं।
4. शंका समाधान–यदि हमें किसी भी विषय में किसी भी बिंदु पर अपनी शंकाओं का समाधान करना हो तो आसानी से कर सकते हैं।
5. कोचिंग हेतु दूर नहीं जाना पड़ता–पहले छात्र–छात्राओं को कोचिंग हेतु दूर भी जाना पड़ता था। लेकिन अब ऑनलाइन शिक्षण में विभिन्न विषयों के सुशिक्षित विशेषज्ञ यह सुविधा प्रदान करते हैं। इससे समय व श्रम की भी बचत होती हैं।
6. भूल जाएँ तो पुनः देख सकते है–यदि हम कोई बिंदु भूल गए है तो तुरंत ऑनलाइन उसे देख सकते हैं।
7. नौकरी के साथ–साथ शिक्षण संभव–व्यक्ति नौकरी के साथ–साथ शिक्षण भी कर सकता है व बचे हुए समय में ऑनलाइन पढाई करके अपनी योग्यता बड़ा सकता हैं।

8. उच्च शिक्षा की उपलब्धता–वर्तमान में ऑनलाइन से उच्च शिक्षा भी अर्जित की जा सकती हैं। छात्रों की प्रगति ही देश के भावी विकास को प्रोत्साहित कर सकती हैं। इस दिशा में ऑनलाइन शिक्षण में छात्रों को स्वर्णिम अवसर प्रदान किये है।
9. तनाव रहित सीखना संभव–कक्षा–कक्ष के उबाऊ वातावरण से भी मुक्ति ऑनलाइन शिक्षण द्वारा संभव है। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसर तनाव रहित होकर शिक्षण प्राप्त कर सकता है।

उद्देश्य

1. ऑनलाइन शिक्षा के महत्त्व को समझना।
2. ऑनलाइन शिक्षा का शिक्षा जगत पर व विद्यार्थियों पर प्रभाव जानना।
3. ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से नौकरी के साथ–साथ शिक्षण की सम्भावना को जानना ।

निष्कर्ष

अंततः कहा जा सकता है की ऑनलाइन शिक्षा ने शिक्षा जगत में एक सकारात्मक विचारधारा प्रस्तुत की है। शिक्षा क्षेत्र में तहलका मचाया है। यह अवश्य है की कहीं–कहीं ग्रामीण क्षेत्रों में इन्टरनेट ना पहुँच पाने की वजह से इसकी पकड धीमी है किन्तु शहरी क्षेत्रों में आज ऑनलाइन शिक्षा अत्यंत आवश्यकता बन गयी है। कोविड के दौरान ऑनलाइन शिक्षा ने जो सहयोग किया है वह प्रशंसनीय है। इसने न सिर्फ छात्रों का एक वर्ष बचाया अपितु दुनिया को पीछे धकेलने वाली इस बिमारी के चलते भी शिक्षा की गति को धीमा नही पड़ने दिया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *http://it-pedf-cuni-cz/~bobr/role/ch11-htm*
2. *https://www-bbvaopenmind-com/en/articles/the&internet&and&education/*
3. *https://iite-unesco-org/pics/publications/en/files/3214612-pdf*
4. *https://www-tandfonline-com/doi/abs/10-1300/J120v44n91_16*
5. *https://www-hindikiduniya-com*
6. *https://www-mybigguide-com*
7. *https://www-hinditecharea-com*
8. *https://webindiduniya-blogspot-com*
9. *https://www-1hindi-com*
10. *https://www-pakheru-com*
11. *https://www-sochapki-com*
12. *https://www-gyaanipandit-com*
13. *https://keepinspiringme-in*
14. *https://en-m-wikipedia-org*
15. *https://hindi-theindianwire-com*
16. *https://hihindi-com*
17. *https://nibandhbharti-com*